

चने की फसल में पोषक तत्व व प्रबंधन के बारे की जानकारी

कानपुर, 28 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं पौधोगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग की ओर से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की ओर से चना के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के दृष्टिगत चने की फसल में समसामयिक



किसानों के साथ मनाया गया प्रक्षेत्र दिवस।

प्रबंधन जैसे खरपतवार, कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार के नेतृत्व में ग्राम सेरुआ, विकासखंड सरवनखेड़ा में चना प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने चने की फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी उन्होंने इस अवसर पर गाय आधारित प्राकृतिक खेती के बारे में भी किसानों को अवगत कराया। कृषि वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध

प्रजनन द्वारा देशी एवं काबुली चने की नवीनतम तथा अधिक उत्पादन देने वाली एवं रोग सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को

जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय के पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने चने की शस्य

तकनीकियों के बारे में किसानों को बताया साथ ही उन्होंने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों पर भी चर्चा की। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार सहित 50 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

■ चना प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया



चना के उत्पादन के बारे में दी विस्तार से जानकारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार के नेतृत्व में बीते दिन शनिवार को ग्राम सेरुआ, विकासखंड सरवनखेड़ा में चना प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक



डॉ.खलील खान ने चने की फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में किसानों को जानकारी दी। उन्होंने किसानों को गाय आधारित प्राकृतिक खेती के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा देशी एवं काबुली चने की नवीनतम तथा अधिक उत्पादन देने वाली एवं रोग सहनशील प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने चने की शस्य तकनीकियों के बारे में बताया। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार सहित 50 से अधिक किसान रहे।
स्थापना दिवस कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति

चना प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत चना के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के दृष्टिगत चने की फसल में समसामयिक प्रबंधन जैसे खरपतवार, कीट एवं रोग प्रबंधन हेतु दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार के नेतृत्व में ग्राम सेरुआ, विकासखंड सरवनखेड़ा में चना प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने चने की फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी उन्होंने इस

अवसर पर गाय आधारित प्राकृतिक खेती के बारे में भी किसानों को अवगत कराया। कृषि वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा देशी एवं काबुली चने की नवीनतम तथा अधिक उत्पादन देने वाली एवं रोग सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय के पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने चने की शस्य तकनीकियों के बारे में किसानों को बताया साथ ही उन्होंने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों पर भी चर्चा की इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार सहित 50 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय

सहारा

29/01/2023

किसानों को चना उत्पादन
के लिए किया प्रोत्साहित



रुआ में प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम में चना उत्पादन के लिए
किसानों को किया गया जागरूक।

रुआ (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी
के दलहन अनुभाग के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय कृषि
योजना अंतर्गत चना के उत्पादन व उत्पादकता
बढ़ाने के दृष्टिगत शनिवार को चना प्रक्षेत्र दिवस
योजन किया गया। विकास खंड सरवनखेड़ा के
रुआ में कार्यक्रम कर किसानों को चने की फसल
के प्रबंधन की जानकारी दी
गई। किसानों को चने की
खेती के लाभों से अवगत
कराया गया।

किसानों को
जागरूक

दलहन वैज्ञानिक डॉ.
मनोज कटियार ने खेतों से
खरपतवारों के उन्मूलन के

के कीट व रोग प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने
जनन द्वारा देशी एवं कावुली चने की नवीनतम
अधिक उत्पादन देने वाली व रोग सहनशील
प्रकारों के बारे में बताया। पूर्व वैज्ञानिक मृदा वैज्ञानिक
लील खान ने चने की फसल के लिए समन्वित
तत्वों के प्रबंधन व मिट्टी परीक्षण को लेकर
किसानों को जागरूक किया व किसानों को गाय
रत प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया। विवि के
वैज्ञानिक डॉ. हरीश चन्द्र सिंह ने चने की शस्य
प्रणालियों से संबंधित जानकारी दी।